1.1.2

दिनांक : 5.05.22

C.I.E

8.

सूचना

अर्थशास्त्र विषय के समस्त छात्राओं को सूचित किया जाता है कि अर्थशास्त्र परिषद के अंतर्गत सत्र 2021-22 में निम्नवत् प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी। इच्छुक छात्राएं प्रतिभाग सुनिश्चित करें।

कक्षा	प्रतियोगिता	दिनांक
B.A. I	पोस्टर प्रतियोगिता (विषय - पर्यावरण)	09.05.22 (11.00 am)
B.A. II	भाषण प्रतियोगिता (विषय - वर्तमान में भारत का आर्थिक परिदृश्य)	09.05.22 (10.00 am
B.A. III	क्विज (विषय - भारतीय अर्थव्यवस्था)	09.05.22 (12.00 pm)
M.A. I	क्रियेटिव लेखन प्रतियोगिता (अधिकतम 1000 शब्द) किसी भी विषय पर	09.05.22 (01.00 pm)
M.A. II	क्विज प्रतियोगिता विषय - भारतीय अर्थव्यवस्था	09.05.22 (12.00 pm)

अर्थशास्त्र विभाग

1.)

2.)

Coordinator IQAC
Netaji Subhash Chandra Bose Govt. Girls PG College, Aliganj, Lucknow

Prof. Anuradha Tiwari
Principal
N.S.C.B. Govt. Girls P.G. College
Aliganj, Lucknow

1.1.2.

CIE

9.

NETAJI SUBHASH CHANDRA BOSE GOVERNMENT GIRLS PG COLLEGE ALIGANJ LUCKNOW

RESULT OF POSTER COMPETITION ORGANISED ON NATIONAL EDUCATION DAY (11 NOVEMBER 2021) ON *"ROLE OF EDUCATION IN MAKING INDIA SELF RELIANT"*

NAME OF STUDENT	CLASS	PLACE
SHAGUN VERMA	BA 1 SEMESTER	FIRST
SAVITA CHANDRA	B COM 5 SEMESTER	SECOND
SHIVANI LODHI RAJPUT	BA 5 SEMESTER	THIRD
AARTI GUPTA	BA 1 SEMESTER	THIRD
SHIVA PANDEY	BA 1 SEMESTER	CONSOLATION

COUNTERSIGNED

PROF ANURADHA TIWARI

PRINCIPAL

प्रोफेसर अनुराधा तिवारी
प्राचार्य
ने.सु.च.बो. राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अलीगंज, लखनऊ

DR SHWETA BHARDWAJ

ASST PROF EDUCATION

Coordinator IQAC
Netaji Subhash Chandra Bose Govt.
Girls PG College, Aliganj, Lucknow

Internal Assessment

1.1.2

C.I.E.

Netaji Subhash Chandra Bose Goverment Girls P.G. College, Aliganj Lucknow.

10.

Name - Pragati Pandey.

Class - B.A 1st year 2nd Semester.

Roll No. 56

Subject - National Council For Teacher Education

Presented to - Shweta. mam

Coordinator IQAC
Netaji Subhash Chandra Bose Govt.
Girls PG College, Aliganj, Lucknow

प्रोफेसर अनुराधा तिवारी
प्राचार्या
ने.सु.च.बो. राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अलीगंज, लखनऊ

राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद

11.

(NCTE) - National Council For Teacher Education.

राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद जिसे अंग्रेजी भाषा में National Council Teacher Education कहते है। इस परिषद की स्थापना भारतीय सरकार द्वारा 1973 में की गई। इस परिषद का मुख्य उद्देश्य शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव करना था। इस परिषद का कार्य शिक्षक शिक्षा से सम्बंधित क्षेत्रों में सरकार को सलाह - मशवरा देना था।

राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद का मुख्य कार्यालय दिल्ली में स्थापित किया गया है। इस परिषद का निर्माण 55 सदस्यों के साथ हुआ है जिसमे अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव भी सम्मिलित है जिनका कार्यकाल 4 वर्ष और अन्य सदस्यों का कार्यकाल 2-2 वर्ष होता है।

यह शिक्षक शिक्षा की व्यवस्थाओं का बारीकियों से अध्ययन करने का कार्य भी करती है।

प्रोफेसर अनुराधा तिवारी
प्राचार्य
ने.सु.च.बो. राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अलीगंज, लखनऊ

12

राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद के मुख्य कार्य

- इस परिषद का मुख्य और अहम कार्य यह होता है कि यह शिक्षक - शिक्षा के क्षेत्र में अध्ययन कर केंद्रीय सरकारों, प्रांतीय सरकारों और यू०जी०सी को सलाह प्रदान करती है।

- यह शिक्षक - शिक्षा के संबंध में नीति - नियमों का निर्धारण करती है और साथ ही उन्हें लागू करने और उन सभी नीति - नियमों के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी भी इसी की होती है

- यह समय - समय पर सामाजिक गतिविधियों आवश्यकताओं के अध्ययन का पाठ्यक्रम को नवीन रूप प्रदान करने का कार्य करती है

- शिक्षक - शिक्षा को बढ़ावा देने एवं उनकी गुणवत्ता में निरंतर वृद्धि करने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी करती है

- यह शिक्षक - शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक छात्रों हेतु न्यूनतम योग्यताओं का निर्धारण करती है, प्रश्नों हेतु पाठ्यक्रम का निर्धारण करती है और शिक्षक - शिक्षा से संबंधित अभ्यर्थियों की चयन [illegible]

13.

शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षक परिषद की भूमिका

राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद समय - समय पर शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन करते रहती है उदा० हाल ही में बी. एड के पाठ्यक्रमों में बदलाव आना इस परिषद की भूमिका को दर्शाता है NCTE की स्थापना के पश्चात शिक्षक शिक्षा से संबंधित पाठ्य पुस्तकों की गुणवत्ता में सुधार आया है जिसमें छात्र वास्तविक समस्याओं से अवगत हो पाते है और वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप खुद को तैयार करते है परिषद का शिक्षक - शिक्षा में बेहद अहम योगदान है.

राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद की खामियां

शिक्षक शिक्षा से संबंधित निजी एवं सरकारी महाविद्यालयों के बीच का अंतर बहुत बड़ा है निजी विद्यालय शिक्षक - शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के प्रवेश हेतु कोई निश्चित एवं स्पष्ट योग्यता निर्धारित नहीं करते एवं साथ ही शिक्षक शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक छात्र ईसके शुल्क के कारण यह शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते।

निष्कर्ष (Conclusion)

14.

शिक्षकों की शिक्षा की व्यवस्था करना उनमें संशोधन करना, लागु करना, पाठ्यक्रम का निर्माण शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में नवीन आवश्यक परिवर्तन हेतु सरकार को सुझाव देना न्यूनतम योग्यता एवं वेतन का निर्धारण करना, कार्यक्रम करना, शिक्षक शिक्षा नवीन सूचनाओं को एकत्रित कर उसका अध्ययन करना और प्रति वर्ष अपनी रिपोर्ट सरकार के समक्ष प्रस्तुत करना इस परिषद का मुख्य कार्य एवं उद्देश्य है।

17/25
13/07/22

प्रोफेसर अनुराधा तिवारी
ने.सु.च.बो. राजकी[illegible] [illegible]विद्यालय
अल[illegible]

Roll No-31

University of Lucknow

Branch-: Netaji Subhas Chandra Bose Girls Govt. Degree College Lucknow

1.1.2

15

CIE

Name-: Rukhsar Bano

Subject: Education Paper- III rd

Topic: "Program learning material"

Semester: [VI th [III Year]

Session: 2021-2022

Submitted to: Shweta Maam

Submitted By: Rukhsar Bano

Class-Vth Social study- Date: 12/7/22

Coordinator IQAC
Netaji Subhash Chandra Bose Govt. Girls PG College, Aliganj, Lucknow

प्रोफेसर अनुराधा तिवारी
प्राचार्य
ने.सु.च.बो. राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अलीगंज, लखनऊ

Class-VIth, Subject ÷ Social study:

Paper IInd

Topic ÷ Program Learning meterial

16.

Question and Answer

Question - ① Paragraph

We are living in the machine age. It has been a very-very long journey since the days of the ape man. Today we have got all kind of machines and tools to do almost any But do you know which was the first toll and who invented it?

fill in the blank - (fill up)

(i) We are living in th - - - - - - - - age.

प्रोफेसर अनुराधा तिवारी
प्राचार्य
ने.सु.च.बो. राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
लखनऊ

Coordinator IQAC
Netaji Subhash Chandra Bose Govt. Girls PG College, Aliganj, Lucknow

Answer- Machie

17.

Question-II Paragraph

Once some one casually threw some small pieces of rock into a fire. After the fire died know he noticed a red ball-like object in the ashes. The man picked it up and started observing curiously. The object was heavy and it shone on being rubbed. The man got pretty excited at hi discovery?

[fill up]

(ii) After the ------- was discovered, things started to change rather rapidly.

प्रोफेसर अनुराधा तिवारी
प्राचार्य
ने.सु.व.बो. राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय

Paragraph- III

18

After the discovery of copper. There was rather a long gap of many thousand years Than came iron which was even more importa The man happened to discover the rocks containing iron Iron was a lot more strong Than copper. with it, one could make stronger tools and weapons. The man created quite a range of them - axes, shovels, ploughs sickles etc.

[fill up]

(iii) Discovery of iron suddenly opened up a wide range of - - - - - - - -

Answer :- occupations

Paragraph [iv]

19.

You have already seen how useful the steam engines proved. They pulled railway engines and gave enough power to ships to sail across the oceans. They even operated powerful machines in factories and millis. But where did their own power come from? obviously, from steam. Steam is produced by boiling water. For that, fire is required and for fire, some kind of burning material or fuel.

[fill up]

iv] For fire, some kind of burning material or ---------- is required.

Answer- Fuel

Paragraph - Vth

The Third major source of power is electricity But the machines that produce electricity need some other fuel like coal or mineral oil or natural gas. However it can also be made through water power. For that we need large quantities of water which is stored in dams. Electricity produced by such a project is called the Hydel power.

[fill up]

vi) Electricity produced from water is called _ _ _ _ _ _ _ _ power.

Answer:- Hydel

Paragraph [vi]

Today electricity has become so common That we cannot do without it even for a single. day. But it took us very long to discover it and produce it for daily use Man had started feeling the presence of electricity even before watt's steam engine was invented. A man in The Netherlands had made a toy named "Leyden Jars" It Contained two wires - one inside a glass and the other outside it.

[Fill up]

vi) A man in the Netherlands had made a toy named ----------

Answer Leyden Jars 22

Paragraph-[Vii]

For producing power on such a large scale. There are different types of power plants. Thermal plants are run on coal or mineral oil or natural gas; Hydel plants use water power; and Atomic plants require nuclear fuel.

[Fill up]

Thermal power plantes are run on

---------- or ----------

Answer coal, or Mineral 23

Paragraph [viii]

Solar energy has already come into various uses. There are solar heaters, Solar cooker. solar betteries (even for cars) etc, Do you know? Even satellites going into the space are fitted with solar panels to supply them power for longer periods.

[Fill up]

Satellites going into the space are ~~fif~~ fitted with ------ for power.

13/20 2/5/22

Coordinator IQAC
Netaji Subhash Chandra Bose Govt. Girls PG College, Aliganj, Lucknow

प्रोफेसर अनुराधा तिवारी
प्राचार्य
ने.सु.च.बो. राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अलीगंज, लखनऊ

A

Answer = Solar 24.

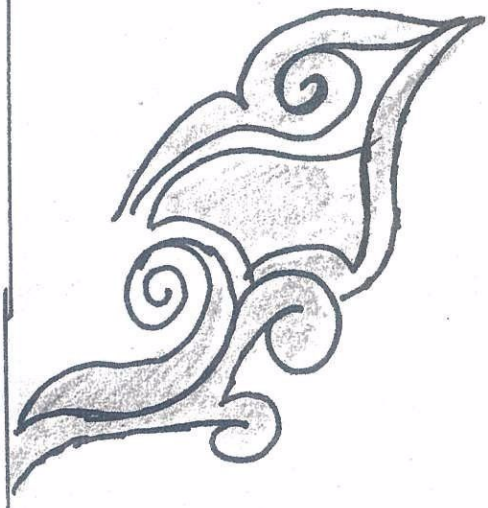

1.1.2.
C.I.E.
Internal Assessment

Netaji Subash Chandra Bose Girls PG College (Lucknow)

25

Session → 21-22

Semester → 1st

Submitted To → Dr. Poonam Verma

Submitted by → Anju Srivastava

Class → B.A Ist year Roll no → 08

Subject → Indian Economy

Coordinator IQAC
Netaji Subhash Chandra Bose Govt.
Girls PG College, Aliganj, Lucknow

प्रोफेसर अनुराधा तिवारी
प्राचार्य
ने.सु.च.बो. राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अलीगंज, लखनऊ

1.1.2
C.I.E.

26.

आर्थिक संवृद्धि एवं आर्थिक विकास
Economic Growth And Economic Development

आर्थिक संवृद्धि Economic Growth

सामान्यतः
- GDP (सकल घरेलू उत्पाद)
- राष्ट्रीय आय (National Income)
- प्रति व्यक्ति आय (per capital Income)

GDP, राष्ट्रीय आय तथा प्रति व्यक्ति आय इन तीनो की निरंतर वृद्धि से आर्थिक संवृद्धि का पता चलता है. तथा आर्थिक संवृद्धि में वृद्धि होती है।

70 के दशक में आर्थिक समृद्धि को तथा आर्थिक विकास को एक ही माना जाता था, लेकिन अब इसमे अंतर किया जाता है।
अब आर्थिक समृद्धि आर्थिक विकास के एक भाग के रूप में देखी जाती है साधन लागत पर व्यक्त वास्तविक घरेलू उत्पाद राष्ट्रीय उत्पाद तथा प्रति व्यक्ति आय को हम सामान्यतः आर्थिक समृद्धि की आय के रूप मे स्वीकार करते है।

आर्थिक विकास (Economic development)

आर्थिक चर तथा गैर आर्थिक चर के योग को विकास (development) कहा जाता है।

Coordinator IQAC
Netaji Subhash Chandra Bose Govt. Girls PG College, Aliganj, Lucknow

प्रोफेसर अनुराधा तिवारी
प्राचार्य
ने.सु.च.बो. राजकीय [illegible] महाविद्यालय
अलीगंज

1.1.2.

C.I.E.

27.

विकास (Development)

आर्थिक चर

- GDP
- National Income
- Per Capital Income

गैर-आर्थिक तत्व

- साक्षरता
- पोषण स्तर
- स्वास्थ्य
- जीवन प्रत्याशा
- लैंगिक विकास

आर्थिक विकास से अर्थ उस प्रक्रिया से है जिसके परिणामस्वरूप देश के समस्त उत्पादन - साधनों का कुशलतापूर्वक विदोहन (उपयोग) होता है, राष्ट्रीय आय और प्रति व्यक्ति आय में निरंतर एवं दीर्घकालीन वृद्धि होती है तथा जनता के जीवन स्तर एवं सामान्य कल्याण का सूचकांक बढ़ता है।"

" आर्थिक संवृद्धि होने पर आर्थिक विकास भी हो ऐसा निश्चित नहीं है। लेकिन आर्थिक विकास होने पर आर्थिक संवृद्धि अवश्य होगी।" क्योंकि आर्थिक विकास में आर्थिक चरों के साथ - साथ गैर - आर्थिक चर भी जुड़े होते है।

आर्थिक संवृद्धि ⇒ राष्ट्रीय उत्पाद में परिवर्तन ⇒ परिमाणात्मक परिवर्तन

आर्थिक विकास ⇒ राष्ट्रीय उत्पाद में परिवर्तन + जीवन की गुणवत्ता में परिवर्तन ⇒ परिमाणात्मक परिवर्तन + गुणात्मक परिवर्तन

1.12
E.I.E

आर्थिक संवृद्धि एवं आर्थिक विकास में अन्तर
(Distinction between economic Growth and economic development)

28

	आर्थिक संवृद्धि Economic Growth	आर्थिक विकास Economic Development
1.	आर्थिक संवृद्धि विकसित देशों से संबंधित है।	आर्थिक विकास अल्पविकसित देशों से संबंधित है।
2.	आर्थिक संवृद्धि नियमित घटनाओं का परिणाम है।	आर्थिक विकास सृजनात्मक शक्तियों का परिणाम है।
3.	आर्थिक संवृद्धि स्थैतिक साम्य से संबंधित है।	आर्थिक विकास गतिशील (dynamic) साम्य का एक रूप है।
4.	आर्थिक संवृद्धि का अर्थ है- अधिक उत्पादन	आर्थिक विकास से अर्थ – अधिक उत्पादन, नवीन तकनीक और संस्थागत सुधारों के समन्वय से।
5.	आर्थिक संवृद्धि स्वाभाविक, क्रमिक व स्थिर गति वाला परिवर्तन होता है।	आर्थिक विकास प्रेरित एवं असतत प्रकृति का परिवर्तन होता है।
6.	आर्थिक व संस्थागत घटकों में परिवर्तन होने पर स्वतः ही धारित होती रहती है।	विकास के लिए संरचनात्मक परिवर्तनों का किया जाना आवश्यक होता है।

आर्थिक संवृद्धि को प्रभावित करने वाले कारक
(Factors Influencing Economic Growth)

किसी देश का आर्थिक विकास अनेक प्रकार के तत्वों पर निर्भर करता है। भिन्न-भिन्न अर्थशास्त्रियों ने आर्थिक विकास के भिन्न-भिन्न निर्धारक अर्थशास्त्रियों ने आर्थिक विकास के भिन्न-भिन्न निर्धारक तत्वों का उल्लेख किया है।—

C.I.E.

29.

ण्डल बर्जर एवं हैरिक ने आर्थिक विकास के निम्नांकित तत्वों का उल्लेख किया है:
भूमि एवं प्राकृतिक साधन,
भौतिक पूंजी,
श्रम एवं मानव पूँजी
संगठन
. तकनीकी स्तर एवं पैमाने की बचते
. बाजार का विस्तार,
7. संरचनात्मक परिवर्तन।

. श्रीमती जॉन रॉबिन्सन ने आर्थिक विकास के आधार निर्धारिक तत्वों को प्रधान चालक तत्व एवं अनुपूरक तत्व के संबंध में परिभाषित किया है।

श्रीमती जॉन रॉबिन्सन के शब्दो में, "आर्थिक विकास एक स्वतः प्रारम्भ होने वाली प्रक्रिया है इसलिए प्राथमिक अथवा प्रधान तत्वों के बजाय अनुपूरक तत्वों को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए, क्योंकि विकास को अंतिम रूप देने का उत्तरदायित्व इन्ही तत्वों पर होता है।"

<u>रिचर्ड टी. गिल</u> ने आर्थिक विकास के निम्नांकित निर्धारिक तत्वों का उल्लेख कि है

1. जनसंख्या वृद्धि,
2. प्राकृतिक साधन,
3. पूंजी संचय
4. उत्पादन पैमाने में वृद्धि एवं विशिष्टीकरण,
5. तकनीकी प्रगति

डब्ल्यु. डब्ल्यु. रोस्टोव ने आर्थिक विकास को प्रभावित करने वाले दो कारक तत्वों का उल्लेख किया है:

1. पुंजी संचयन,।
2. श्रम – शक्ति।

C.I.E.

रोस्टोव के अनुसार आर्थिक विकास के उपर्युक्त दोनों तत्व निम्नांकित प्रवृत्तियों से प्रभावित होते हैं:

1.1.2

1. आधारभूत विज्ञान की उन्नत करने की प्रवृत्ति,
2. विज्ञान को उत्पादन क्रियाओं मे अपनाने की प्रवृत्ति, 30
3. नव-प्रवर्तन की खोज एवं उन्हें अपनाने की प्रवृत्ति,
4. भौतिक प्रगति करने की प्रवृत्ति,
5. लोगों की उपभोग करने की प्रवृत्ति,
6. सन्तान उत्पन्न करने की प्रवृत्ति।

आर्थिक विकास को कैसे मापा जाए?

1). खाद्य पदार्थ
2). साक्षरता दर
3). आवास
4). जीवन प्रत्याशा
5). शिशु मृत्यु दर + जीवन प्रत्याशा
6). जल आपूर्ति

अगर हमारे देश में ये मूल-भूत आवश्यकताएं पूरी हो रही है इसका मतलब विकास हो रहा है। अगर नही पूरी हो रही है मतलब विकास नही हो रहा है।

हिक्स एवं पाल स्ट्रीटन महान अर्थशास्त्री के अनुसार, इन्होंने बताया कि यह मूलभूत आवश्यकताओं के आधार पर आर्थिक विकास का पता किया जाता है।

Coordinator IQAC
Netaji Subhash Chandra Bose Govt.
Girls PG College, Aliganj, Lucknow

प्रोफ़ेसर अनुराधा तिवारी
प्राचार्य
ने.सु.च.बो. राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अलीगंज, लखनऊ